नम आंखों से बप्पा को विदाई, ढोल नगाड़ों के साथ उड़ा गुलाल, निकले चल समारोह

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 6 सितम्बर. गणेश महोत्सव शनिवार को अंतिम दिन सुबह से ही सागरताल के पास बने अस्थायी तालाब सहित विभिन्न जलाशयों पर प्रतिमाएं विसर्जन करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। इस साल अचलेश्वर मंदिर पर विराजे गणपति का विसर्जन नूराबाद की नदी में किया गया। पहली बार गणपति विसर्जन के दौरान अचलेश्वर महादेव मंदिर से चल समारोह नहीं निकाला गया। गणपति की प्रतिमा को एक ट्रॉले में रखकर चुनिंदा भक्त गणपति के विसर्जन के लिए गए। अनंत चतुर्दशी पर भक्तों में भारी उत्साह रहा। भक्त बैंड-बाजे और ढोल नगाड़ों की धुन पर धूमधाम के साथ प्रतिमा विसर्जन चल समारोह निकाला शहर में हर ओर चल समारोहों में भगवान गणेश के भजन गूंज रहे थे। मंदिरों में बज रहे घंटे घड़ियाल राहगीरों के मन को आनंदित कर दिया।

सड़कों पर तैनात रहे पुलिसकर्मी

श्रीजी की प्रतिमा विसर्जन के दौरान कोई घटना घटित न हो जाए इसके लिए पुलिस का कड़ा पहरा जलाशयों और सड़कों पर लगा हुआ था। सागरताल पर पुलिस तैनात रही और प्रतिमा विसर्जन करने वालों की सुरक्षा में लगी रही। पुलिस अफसर विधि-विधान के साथ गोताखोरों की मदद से गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करा रहे थे और पानी में जाने से श्रद्धालुओं को रोका गया गोताखोर ने प्रतिमाओं लेकर पानी के बीचों बीच विसर्जित किया।

पहले पूजन फिर विसर्जन

सुख-समृद्धि की कामना सागरताल के पास बने तालाब पर गणेश प्रतिमा विसर्जित करने के लिए नगर निगम की टीम भी विसर्जित करने में लगी रही। वह श्रद्धालुओं से भेंट लेकर प्रतिमाएं विसर्जित करा रहे थे। प्रतिमा विसर्जित करने से पूर्व भक्तों ने सागरताल के पास गणेश जी का पूजन किया की। श्री बाल गणेश क्लब मुरार द्वारा प्रतिमा के विसर्जन से पूर्व पूजा-अर्चना की गई।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने श्रीगणेश विसर्जन के लिये चलित वाहनों को दिखाई हरी झंडी

ग्वालियर 6 सितम्बर. ग्वालियर शहर में घरों पर विराजमान भगवान श्रीगणेश की छोटी प्रतिमाओं का विसर्जन घर-घर जाकर विधि विधान पूर्वक गंगाजल युक्त जल में चालित वाहनों के माध्यम से कराया जा रहा है। इसके लिए प्रशासन के साथ ही सामाजिक संस्थाओं के नागरिकगणों द्वारा भी सहयोग किया जा रहा है। इस आशय के विचार ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अनंत चतुर्दशी के अवसर पर कटोरा ताल मार्ग से चलित वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते समय व्यक्त किए। पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर एवं संत कृपाल सिंह सहित कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय व श्री एमएल अरोड़ा सहित अन्य समाजसेवी एवं जनप्रतिनिधिगणों व अधिकारियों ने जीवाजी क्लब से चलित जलाशय वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उल्लेखनीय है कि छोटी गणेश प्रतिमा के सुविधाजनक एवं विधि विधान पूर्वक विसर्जन हेतु जिला प्रशासन, नगर निगम एवं वरिष्ठ नागरिक

सेवा संस्थान द्वारा शहर में सभी प्रमुख स्थानों से चलित विसर्जित वाहन चलाए गए हैं। इन वाहनों में गंगाजल युक्त जल में छोटी गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन आम नागरिकों द्वारा किया जा रहा है। जीवाजी क्लब पर चलित विसर्जन वाहनों को हरी झंडी दिखाते हुए कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने कहा कि शहर के सभी श्रद्धालुओं की भावनाओं के अनुरूप गंगाजल युक्त वाहनों में विधि विधान पूर्वक श्री गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया

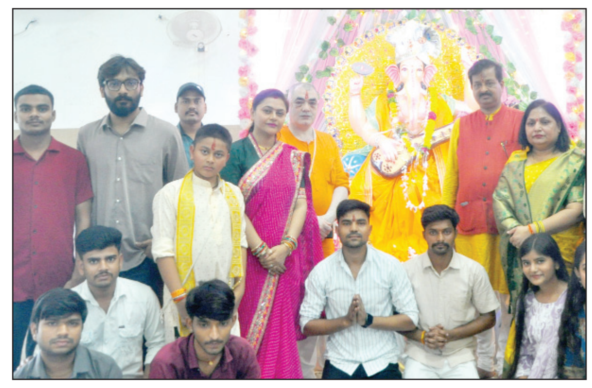

डीजे की धुन पर नाचते-गाते व्हीआईएसएम के विद्यार्थियों ने गणेश प्रतिमा का किया विसर्जन

ग्वालियर 6 सितम्बर. व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्ट्डीज़ में गणेश महोत्सव का धूमधाम से समापन हुआ। इस महोत्सव में छात्र-छात्राओं का उत्साह पहले दिन से ही देखा गया। छात्र-छात्राओं के द्वारा प्रतिदिन पण्डाल की देखरेख, पूजा अर्चना करना एवं रंगोली, मटकी फोड, हाउजी जैसी विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। विद्यार्थियों के द्वारा प्रतिदिन पण्डाल की बदल-बदल कर मनमोहक साज-सज्जा की गई थी। आज महोत्सव के अंतिम दिन विधि- विधान से हवन पूजन किया गया। इसके बाद परिसर में भण्डारे का आयोजन भी किया गया। जिसमें सभी स्टॉफ एवं छात्र-छात्राओं ने प्रसादी ली। अंत में गणेश प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाते समय सभी छात्र-छात्राओं ने जमकर अबीर गुलाल उड़ाया। इस दौरान गणपति बप्पा मोरया, अगले वर्ष तू जल्दी आ के नारों के बीच गणेश भक्तों ने भारी मन से प्रतिमा को विदाई दी। इस मौके पर संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने कहा कि भारतीय संस्कृति के अनुरूप प्रत्येक वर्ष संस्थान में भी गणेश उत्सव को धूमधाम से मनाया जाता है। जिससे परिसर का माहौल भक्तिमय हो जाता है। इस पर्व से छात्र को अध्यात्म से जुडने का मौका मिलता है एवं भारत की संस्कृति एवं परम्परा से छात्र जीवन में एकाग्रता आती है जिससे विद्यार्थी अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। इस मौके पर संस्थान की चेयरपर्सन श्रीमती सरोज राठौर, ग्रुप निदेशक डॉ. प्रज्ञा सिंह, समाजसेवी मुकेश भदौरिया सहित समस्त स्टॉफ व छात्र-छात्राऐं मौजूद रहें।

इस बार पितृ पक्ष के शुभारंभ और समापन पर रहेगा ग्रहण

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 6 सितम्बर. पितृपक्ष की शुरुआत और समाप्ति दोनों ही ग्रहण के बीच होगी। यह अपने आप में दुर्लभसंयोग माना जा रहा है। पितृपक्ष की शुरुआत पर आज खग्रास चंद्र ग्रहण रहेगा। वहीं पितृपक्ष की समाप्ति पर 21 सितंबर को सूर्य ग्रहण लगेगा।

ज्योतिष मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में इस तरह दो ग्रहण का एक साथ आना अत्यंत दुर्लभयोग माना जाता है, जो सौ वर्षों में शायद ही कभी होता है। आज 7 सितंबर को चंद्र ग्रहण

भारत में अधिकांश क्षेत्रों में दिखाई देगा, इसलिए सूतक काल मान्य रहेगा। जबकि सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देने के कारण सूतक काल भी मान्य नहीं होगा और इसका विशेष प्रभाव भी नहीं रहेगा। चंद्र ग्रहण कुंभ राशि में रहेगा। इस साल पितृपक्ष के पहले दिन पूर्णिमा श्राद्ध पर चंद्रग्रहण रात 9 बजे शुरू होकर रात 01 बजकर 27 मिनट तक रहेगा। इसके बाद पितृ-मोक्ष अमावस्या पर सूर्यग्रहण रहेगा, जो भारत को छोड़कर न्यूजीलैंड तथा पश्चिमी अंटार्कटिका वाले क्षेत्र में दिखाई देगा।

ज्योतिषी स्मिता चतुर्वेदी ने बताया कि 7 सितंबर को चंद्र ग्रहण का सूतक काल दोपहर को को 12.57 से प्रारंभ हो जाएगा। अत: पूर्णिमा श्राद्ध की पूजा, पिंडदान, तर्पण आदि कर्म दोपहर 12.57 से पहले ही कर लेना उचित रहेगा।

सावधानी- वाहण के दौरान भोजन बनाना, धारदार वस्तुओं का उपयोग करना वर्जित है। देव प्रतिमाओं को स्पर्श न करें। वाहण लगे चंद्रमा को न देखें। खासकर गर्भवती महिलाएं वाहण काल में बाहर न निकलें।

दान करें- वाहण समाप्ति के बाद पानी में गंगाजल डालकर खान और दान-पुण्य अवश्य करें।

ग्रहण का राशियों पर असर- आज का चंद वाहण कुंभ राशि में लगेगा। चंद्र और राहु की युति कुंभ राशि में बनेगी, जिससे कुंभ राशि वालों को कुछ मानसिक तनाव होगा। मिथुन, कर्क, वृश्चिक, धनु और मीन राशि वालों को लाभ की प्रबल संभावना रहेगी। मेष, वृष, कन्या राशि वालों के लिए यह वग्रहण सामान्य फलदायक रहेगा। सिंह, तुला, मकर राशि वालों के लिए यह चंद्र ग्रहण कष्टदायी रह सकता है।

तर्पण अवश्य करें- पितृपक्ष में हर साल पितरों के निमित्त पिंडदान, तर्पण, हवन किया जाता है। सभी लोग पूर्वजों की मृत्यु तिथि पर उनका श्राद्ध करते हैं। माना जाता है कि जो लोग श्राद्धपक्ष में पितरों को तर्पण नहीं करते उन्हें पितृदोष लगता है। श्राद्ध करने से उनकी आत्मा तृप्त होती है। वे प्रसन्न होकर परिवार को आशीर्वाद देते हैं। हैं। देवी-देवताओं की पूजा-पाठ सुबह-शाम की जाती है। पितरों के के लिए दोपहर का समय होता है। दोपहर में 12 बजे श्राद्ध कर्म किया जा सकता है।

गहोई वैश्य समाज के संयुक्त परिवार परिचय एवं सम्मान समारोह का आयोजन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 6 सितम्बर. श्री गहोई वैश्य क्षत्रिय महिला मण्डल ने गणेश महोत्सव, संयक्त परिवार परिचय एवं सम्मान समारोह को आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश की आरती एवं मैथिलीशरण गुप्त की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। संयुक्त परिवार के महत्व को बताने के लिए लघु नाटिका का मंचन किया गया. सभी सास व बहुओं ने अपना परिचय देकर बताया कि वह बहुत प्रेम से अपना परिवार संभाल रही हैं। कार्यक्रम में श्री गहोई वैश्य क्षेत्रीय महिला मण्डल के 2025-2028

कार्यकाल हेतु मनोनीत सदस्यों को शपथ दिलाई गयी। लगभग 20 शिक्षिकाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। मंच पर मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय गहोई वैश्य महिला मण्डल सभा की अध्यक्षा श्रीमती गीता नगरिया एवं मंत्री श्रीमती भारती खर्द, चम्बल क्षेत्र महिला अध्यक्ष श्रीमती राखी गेड़ा, ग्रेटर ग्वालियर अध्यक्षा श्रीमती रानी सेठ एवं मंत्री लता नीखरा, कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती रंजना सोनी एवं उपसंयोजिका श्रीमती मीरा नीखरा, मीडिया प्रभारी रूपेश खंताल उपस्थित रहे।

जेसीआई ग्वालियर का वायस ऑफ कार्यक्रम 14 को

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 6 सितम्बर. संस्था जेसीआई 9 से 15 सितम्बर तक जेसी वीक जेसीआई ग्वालियर प्रियदर्शनी के साथ संयुक्त रूप से मनाने जा रहे है। जेसीआई ग्वालियर के अध्यक्ष जेसी अभिनव सिंघल एवं जेसी बीक

9 सितम्बर तक ली जाएंगी प्रतिभागियों की प्रविष्टियाँ

चेयरमैन कपिल अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष जेसीआई इंडिया की गाइडलाइन के अनुसार 7 दिनों में अलग अलग कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

इसी के अंतर्गत छठवें दिन 14 सितम्बर मंगलवार को जेसीआई ग्वालियर का बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम वायस ऑफ ग्वालियर का आयोजन भव्यता पूर्वक किया जा रहा है जिसमे 9 सितम्बर तक प्रतिभागियों की प्रविष्टियाँ लेंगे और 10 सितंबर होटल रीजेंसी स्क्वायर में उन सभी प्रतिभागियों के ऑडिशन लिया जाएगा। यह प्रतियोगिता दो ग्रुप में आयोजित की जाएगी ग्रुप ए में 15 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकेंगे एवं ग्रुप बी में 16 से 40 वर्ष तक के लोग भाग ले सकेंगे। ऑडिशन में चयनित दोनों ग्रुप के प्रतिभागियों का अलग अलग सेमीफाइनल राउंड होगा। सेमीफाइनल राउंड में से चयनित प्रतिभागियों को 14 सितम्बर को फाइनल राउंड में प्रस्तुति का मौका दिया जाएगा। फाइनल राउंड भी दोनों ग्रुप का अलग-अलग होगा एवं दोनों ग्रुप में से प्रथम, द्वितीय, तृतीय प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम समन्वयक संस्था के पूर्व अध्यक्ष जेसी रमेश श्रीवास्तव, प्रभारी उपाध्यक्ष जेसी सुमित सिंघल, कार्यक्रम संयोजक जेसी वैभव सिंघल, जेसी अर्पित गगरानी हैं। इस कार्यक्रम का फाइनल 14 सितम्बर को होगा, जिसमें मुख्य निर्णायक मंडल द्वारा वॉइस ऑफ ग्वालियर के विनर की घोषणा की जाएगी।

शनिदेव मंदिर इस अंचल की धरोहर है : नरेन्द्र सिंह तोमर

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 6 सितम्बर. कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) द्वारा बाल भवन में आयोजित त्रेता के शनि फिल्म प्रीमियर शो के मुख्य अतिथि के

डॉ. जमाल यूसुफ एवं डॉ. अशोक झिंगन का हुआ सम्मान

रूप में बोलते हुए म.प्र. विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि शनिदेव मंदिर ऐती इस अंचल की धरोहर है। हम सब उनके आशीर्वाद से अंचल में सुख और समृद्धि की कामना करते हैं। हाल ही में प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा 10 करोड़ की लागत से शनिदेव मंदिर के मुख्य द्वार का उद्घाटन किया गया। उन्होंने च्त्रेता के शनि फिल्म पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जिन कलाकारों ने इस फिल्म में काम किया है, वे प्रशंसा के पात्र हैं और इसके डायरेक्टर उमेश जी भी प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर उन्होंने हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. जमाल यूसुफ, मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक झिंगन का सम्मान भी किया। चिकित्सा शिविर में 238 लोगों का परीक्षण किया गया। इस अवसर पर आऊखाना स्कूल के राजेश त्रिपाठी को नरेन्द्र सिंह जी ने सम्मानित किया। कैट के राष्ट्रीय संगठन मंत्री भूपेन्द्र जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कैट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक गोयल ने चिकित्सा शिविर की प्रशंसा करते हुए कैट की सक्रिय गतिविधियों के लिए टीम को बधाई दी। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने सभी कलाकारों को अंग-वस्त्र पहनाकर सम्मानित किया।

स्वागत भाषण कैट के जिलाध्यक्ष रवि गुप्ता द्वारा दिया गया। संचालन महामंत्री विवेक जैन ने किया। अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम संयोजक मुकेश गुप्ता, सह संयोजक एस.के. गुप्ता, अर्पित भार्गव, राहुल अग्रवाल, समीर अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, श्याम शर्मा, हिमांशु छापरिया, डॉ. सौरभ खंडेलवाल, मुकेश अग्रवाल, महेन्द्र खत्री, संदीप देव आदि ने किया। इस अवसर पर कैट की मासिक पत्रिका च्व्यापार वार्ता'' के संपादक नीरज चौरसिया एवं अंशुल गुप्ता ने अतिथियों से व्यापार वार्ता का विमोचन भी कराया।

युवक को टक्कर मार कर भाग गया कार चालक

ग्वालियर 6 सितम्बर. बाइक सवार युवक को कार चालक ने पीछे की तरफ से टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी कार चालक अपना वाहन लेकर भाग गया। हादसा बीती शाम पनिहार थाना क्षेत्र के इंडियन पेट्रोल पंप के पास हुआ। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरु कर दी है।

रोहित रावत 26 वर्ष पुत्र महेन्द्र सिंह रावत निवासी रावत वनबारी पनिहार अपनी बाइक से ग्वालियर की तरफ आ रहा था। यह अभी इंडियन पेट्रोल पंप एबी रोड तक पहुंचा था, तभी पीछे से आ रही कार नम्बर एमपी07जेडजे-9371 के चालक ने पीछे से टक्कर मार दी। कार की टक्कर लगने से रोहित रावत बाइक सहित सड़क पर जा गिरा और घिसट गया। सड़क पर गिरने से रोहित रावत घायल हो गया। हॉस्पिटल में उपचार कराने के बाद बीती शाम रोहित पनिहार थाने पहुंचा.

कैंसर हॉस्पिटल में जागरूकता सत्र का आयोजन

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 6 सितम्बर. कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ग्वालियर एवं कॉलेज ऑफ लाइफ साइंसेज ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में प्रगति विद्यापीठ, मुरार में एक फिजियोथेरेपी जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्व फिजियोथेरेपी सप्ताह के उपलक्ष्य में संपन्न हुआ।

इस सत्र का संचालन डॉ. शशांक आपटे, डॉ. दिनेश बंगइया एवं डॉ. डिंकी अरोड़ा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रगति विद्यापीठ के अध्यापकों को फिजियोथेरेपी के महत्व तथा वर्तमान जीवनशैली से जुड़ी आम समस्याओं के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके निवारण के उपाय बताए गए।

अपने संबोधन में डॉक्टरों ने कहा कि दैनिक शारीरिक गतिविधि, संतुलित पोषण और सही जीवनशैली अपनाएं

इस कार्यक्रम में प्रगति विद्यापीठ, मुरार की निदेशक श्रीमती अर्चना श्रीवास्तव, विद्यालय के शिक्षकगण एवं स्टाफ उपस्थित रहे। वहीं कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ग्वालियर एवं कॉलेज ऑफ लाइफ साइंसेज ग्वालियर से डॉ. शशांक आपटे, डॉ. दिनेश बंगइया, डॉ. डिंकी अरोड़ा एवं श्रीमती मीरा श्रीवास्तव विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

गुरु अमरदास जी : भक्ति, सेवा और संकल्प का अद्वितीय प्रतीक

अमृतसर ज़िले के एक गाँव में जन्मे गुरु अमरदास का जीवन हमें यह सिखाता है कि व्यापार, जीवन-यापन और सांसारिक आवश्यकताओं के बीच भी परमेश्वर का स्मरण सर्वोपरि है। बचपन से ही परमात्मा का भय और नाम-स्मरण उनके जीवन का आधार रहा।

जब वे युवा हुए तो आसपास के गाँवों में व्यापार करने लगे। ठीक वैसे ही जैसे गुरु नानक देव जी ने सौदा के माध्यम से संदेश दिया। हज़रत मोहम्मद साहब ने ईश्वर का सन्देश संसार को दिया, वैसे ही अमरदास जी ने भी अपने जीवन में व्यापर को केवल रोज़ी-रोटी नहीं, बल्कि ईश्वरीय प्रयोजन का साधन माना।

हरिद्वार के तीर्थ यात्राओं के दौरान उनके जीवन में कई अद्भुत प्रसंग घटे। बीसवीं बार हरिद्वार जाते समय वे दुर्गा पंडित जी के घर ठहरे, जहाँ भविष्यवाणी हुई कि यह युवक आगे चलकर महान गुरु बनेगा और इनके चरणों में दुनिया शीश झुकाएगी।

हरिद्वार से लौटते समय एक ब्रह्मचारी ने उनसे पूछा—आप किस गुरु से दीक्षित हैं? यह प्रश्न उनके हृदय में गुरु खोज की ज्योति बन गया। वे दिन-रात प्रार्थना करने लगे—हे प्रभु, मुझे सतगुरु का मिलन कराओ।

यही साधना उन्हें बीबी अमरो जी तक ले गई, जिनके माध्यम से उनका परिचय गुरु अंगद देव जी से हुआ। पहली ही भेंट में गुरु अंगद देव जी उनके आत्मिक भाव से प्रभावित हुए और उन्हें लंगर में भोजन के लिए आमंत्रित किया।

लंगर में अमरदास जी एक दुविधा में पड़ गए—यदि भोजन में मांस हुआ तो प्राण जाने का भय था, और यदि भोजन अस्वीकार करते तो गुरु का अपमान होता। उस क्षण उन्होंने प्रभु की शरण में मन समर्पित किया। गुरु अंगद देव जी ने उनकी मन की स्थिति को जान लिया और सेवक से कहा—इन्हें मांस मत देना। यह प्रसंग इस बात का प्रमाण है कि सच्चे गुरु अंत:करण की व्यथा समझते हैं। गुरु अमरदास जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि सेवा, समर्पण और गुरु-भक्ति ही सच्चा मार्ग है। वे केवल एक धार्मिक आचार्य नहीं, बल्कि समाज सुधारक, करुणा और समानता के महान संदेशवाहक थे।

प्रो एस एन शुक्ला